736 करोड़ से बायो ऊर्जा की 21 परियोजनाएं लगेंगी

राज्य स्तरीय समिति की बैठक में मिली स्वीकृति

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में बायो ऊर्जा की 736.80 करोड़ की 21 परियोजनाएं लगेंगी। इनसे प्रतिदिन 110 टन कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), 92 टन बायो पैलेट, 100 किलो लीटर बायोडीजल का उत्पादन होगा। इनमें बायोकोल की तीन, बायोडीजल की दो और सीबीजी की 16 परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं को मंगलवार को राज्य स्तरीय समिति की बैठक में मंजूरी दी गई।

अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण की अध्यक्षता में हुई बैठक में परियोजनाओं के लिए भूमि, बैंक लोन, फीड स्टॉक की उपलब्धता आदि पर चर्चा हुई। बता दें, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में करीब सात लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इसमें करीब 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव बायो ऊर्जा क्षेत्र के हैं। सीबीजी, बायोडीजल और बायोकोल के प्लांटों के लिए 198 प्रस्तावों को यूपीनेडा ने सैद्धांतिक

110 टन सीबीजी और 100 किलोलीटर बायोडीजल का रोजाना होगा उत्पादन

गोंडा-लखनऊ समेत यहां लगेंगी परियोजनाएं

नई परियोजनाएं सीबीजी की मुजफ्फरनगर के जानसठ, लखीमपुर के मोहम्मदी, हापुड़, मुरादाबाद के बिलारी, हरदोई के सवायजपुर, गोंडा सदर, लखनऊ के बीकेटी, प्रयागराज के बारा, मथुरा के मांठ, अमरोहा के हसनपुर, पीलीभीत के बीसलपुर, बरेली के फरीदपुर, फतेहपुर के बिंदकी, कानपुर देहात के अकबरपुर, बहराइच के कैसरगंज में लगेंगी। बायोडीजल की मिर्जापुर के चुनार, हापुड़ और बायोकोल की इटावा, हरदोई के सवायजपुर और बुलंदशहर के सयाना में परियोजनाएं लगेंगी।